

स्टॉक 6.90 लाख विंटल, लेकिन बाजार की आपूर्ति तय करती है कोटा हरियाणा में अगस्त का चीनी बिक्री कोटा 22,610 क्विंटल घटा, इसी दौरान बढ़े दाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

प्रदेश की चीनी मिलों के गोदामों में करीब 6.90 लाख क्विंटल चीनी मौजूद है, लेकिन अगस्त में बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले कोटे में जुलाई की तुलना में 22,610 क्विंटल की कमी कर दी गई।

इसके साथ ही इसी महीने चीनी के भाव में तेजी आ गई। ऐसे में अब सवाल उठ रहा है कि मिलों में पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद बाजार में पहुंचने वाली चीनी की मात्रा कम होने से क्या कीमतों पर दबाव बना और भाव ऊपर चले गए। केंद्र सरकार की ओर से चीनी मिलों के लिए हर महीने घरेलू बिक्री का कोटा निर्धारित किया

जाता है। जुलाई 2026 में हरियाणा की मिलों के लिए कुल घरेलू बिक्री कोटा 45,448 टन था। अगस्त में घटाकर 43,187 टन कर दिया गया। एक महीने में प्रदेश की मिलों के लिए घरेलू बाजार में बिक्री की निर्धारित मात्रा 2,261 टन यानी 22,610 क्विंटल कम हो गई। मात्रा के लिहाज से करीब पांच प्रतिशत की कमी है। अगस्त की शुरुआत में रोहतक शुगर मिल से चीनी करीब 4,600 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर मिल रही थी। 18 अगस्त तक मिल भाव बढ़कर करीब 5,750 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गया।

यानी महीने के शुरुआती 18 दिनों में ही भाव करीब 1,150 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। खुदरा बाजार में भी इसका असर दिखाई दिया और चीनी 65 रुपये किलो से अधिक के भाव पर पहुंच गई।

देशभर में भी कीमतों ने पकड़ी तेजी

हरियाणा की दस चीनी मिलों में करीब 6.90 लाख क्विंटल चीनी का स्टॉक मौजूद है। पानीपत मिल में करीब 1.35 लाख क्विंटल, शाहाबाद में 1.265 लाख क्विंटल, करनाल में 1.04 लाख क्विंटल और पलवल में करीब 74 हजार क्विंटल चीनी बताई गई है। इन चार मिलों के पास ही करीब 4.59 लाख क्विंटल स्टॉक है। इसके बावजूद मिलों के गोदाम में रखा पूरा स्टॉक बाजार में एक साथ नहीं पहुंच सकता। घरेलू बिक्री के लिए हर महीने निर्धारित कोटे के कारण बाजार में भेजी जाने वाली मात्रा नियंत्रित रहती है। ऐसे में मिलों में स्टॉक कितना है, यह भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि एक महीने में उसमें से कितनी चीनी बाजार में बिक्री के लिए जारी की जा सकती है।

2,261 टन की कमी आई

अगस्त में यही मात्रा जुलाई के मुकाबले कम हुई है। जुलाई में 45,448 टन और अगस्त में 43,187 टन चीनी का घरेलू बिक्री कोटा था तो अगस्त में बाजार के लिए निर्धारित मात्रा में 2,261 टन की कमी आई। यह कमी अपने आप में बाजार में चीनी की कमी साबित नहीं करती, लेकिन जब इसी अवधि में कीमतें तेजी से बढ़ीं तो दोनों घटनाक्रमों के बीच संबंध की जांच जरूरी हो जाती है। देश में औसत खुदरा कीमत 20 जुलाई को 48.18 रुपये किलो थी, जो 20 अगस्त को 55.70 किलो हो गई। कई बाजारों में खुदरा भाव 65 रुपये किलो से ऊपर पहुंच गया। कुछ बाजारों में इससे भी अधिक कीमत दर्ज हुई।

ये हैं कीमत बढ़ने के कारण

अगस्त में हरियाणा की मिलों के लिए बिक्री कोटा कम हुआ और इसी दौरान देशभर में चीनी महंगी होती गई। बाजार में मांग, उपलब्धता, उत्पादन, स्टॉक और सरकारी बिक्री व्यवस्था सभी कीमत तय करने में भूमिका निभाते हैं। इसलिए केवल कोटे में कमी को तेजी का एकमात्र कारण मानना जल्दबाजी होगी, लेकिन यह कीमत बढ़ने की कहानी में एक महत्वपूर्ण कड़ी जरूर बनती है। कमी बनी रहती है तो उपलब्ध माल पर दबाव बढ़ सकता है। इसका असर थोक भाव पर पड़ने और फिर खुदरा कीमतों तक पहुंचने की संभावना रहती है। हरियाणा में अगस्त के दौरान यही स्थिति दिखाई दी है।

बिक्री कोटा सीमित रहता है तो ऊंची कीमतों पर दबाव बना रह सकता है

दूसरी तरफ मिलों में 6.90 लाख क्विंटल स्टॉक मौजूद होने से यह सवाल भी उठता ही महत्वपूर्ण है कि इतनी बड़ी मात्रा बाजार में क्यों नहीं पहुंच रही। क्या इसका कारण मौसिक बिक्री कोटा है, खरीदारों की ओर से उठान में कमी है या मिलों की बिक्री की अपनी गति अलग है? इन सवालों के जवाब मिलने पर ही यह स्पष्ट होगा कि अगस्त में कीमतों की तेजी में कोटे की कमी की कितनी भूमिका रही। मिलों में मौजूद स्टॉक तेजी से बाजार में आता है तो थोक भाव पर दबाव बन सकता है। इसके विपरीत यदि बिक्री कोटा सीमित रहता है तो ऊंची कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

शिक्षा और रोजगार बचाओ संघर्ष समिति का ऐलान पुराना आईटीआई मैदान में आज होगी न्याय महापंचायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले के पुराना आईटीआई मैदान स्थित शहीद मदन लाल ढोंगरा कम्प्यूटरी सेंटर में रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक विशाल शिक्षा और रोजगार न्याय महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा बचाओ रोजगार बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले होने वाली इस महापंचायत का मुख्य उद्देश्य हरियाणा में एचपीएससी द्वारा अभ्यर्थियों की अनदेखी और बाहरी राज्यों के युवाओं को तरजीह दिए जाने का पुरजोर विरोध करना है।

पंचायत में वक्ताओं का आरोप है कि एचपीएससी की भर्तियों में 50 से 90% तक अभ्यर्थी बाहर से चुने जा रहे हैं, जो स्थानीय युवाओं के अधिकारों पर सीधा कुठाराघात है। इस दौरान आगामी संघर्ष की रणनीति तैयार की जाएगी। महापंचायत में जेएनयू की पूर्व अध्यक्ष आईसी घोष, सुप्रीम कोर्ट

प्रमुख मांगें

एचपीएससी भर्तियों में 35% का काइटिया हटाया जाए, सबजेक्टिव पेपर समाप्त कर यूजीसी गाइडलाइंस लागू हों। विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में खाली पड़े पद भरे जाएं। श्रेणी प्रमाण पत्र पूरे वितीय वर्ष के लिए मान्य किया जाए। एचपीएससी और एचएसएससी वार्षिक परीक्षा केंद्रों पर जारी करें। सरकारी स्कूलों के मर्जर की नीति खंड हो और अधिकारियों-विधायकों के बच्चों की शिक्षा सरकारी स्कूलों में अनिवार्य हो। सीईटी और नेट पास बेरोजगार युवाओं को 9000 रुपये मासिक भता दिया जाए।

बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान बलराज मलिक, कॉकरोच जनता पार्टी के उत्तरी हरियाणा प्रभारी अंकित भारद्वाज सहित विभिन्न छात्र संगठन और जन प्रतिनिधि शिरकत करेंगे।

साक्षी मलिक राजकीय महाविद्यालय मोखरा में उत्साहपूर्वक मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

साक्षी मलिक राजकीय महाविद्यालय मोखरा में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के इंडोर गेम हॉल में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्राचार्या डॉ. मीनू नैन रहीं, जबकि कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अजय कुमार, सहायक प्राध्यापक, शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचंद के भारतीय खेल जगत में अतुलनीय योगदान, उनकी खेल भावना, अनुशासन और गौरवशाली विरासत के बारे में बताया गया तथा



महम। मेजर ध्यानचंद की तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलित कर खेलों का शुभारंभ करते हुए प्रिंसिपल फाटीः हरिभूमि

युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में कुल 70 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिनमें 15 छात्र एवं 55 छात्राएं शामिल रहीं।

छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया

कार्यक्रम के दौरान डॉ. अजय धनखड़ ने भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से सक्रिय एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय खेल दिवस को रोजक एवं सहभागितापूर्ण बनाने के लिए महाविद्यालय में अनेक स्वदेशी, मनोरंजक एवं फिटनेस आधारित खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें मटकी फोड़, हैंडकरचीफ स्नैच, बैलून रेसलिंग, लेमन रेस, ग्लिप स्ट्रेंथ, म्यूजिकल चेयर तथा गैस द नेम ऑफ क्विज प्रमुख रहे। अतिरिक्त विद्यार्थियों ने एरोबिक्स तथा तलवारबाजी की पारंपरिक कला का भी प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, ऊर्जा और खेल भावना के साथ भाग लिया।



टेबल टेनिस में कार्तिक और बैडमिंटन में हर्ष विजेता रहे

रोहतक। शहीद राय सिंह राजकीय महाविद्यालय, सांपला में मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस दौरान बिली मेराथन, टेबल टेनिस और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में करीब 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं में टेबल टेनिस के पुरुष वर्ग में बी.ए. तृतीय वर्ष के कार्तिक और बैडमिंटन में बी.ए. प्रथम वर्ष के हर्ष विजेता रहे। वहीं, छात्राओं की बैडमिंटन स्पर्धा में बी.ए. प्रथम वर्ष की दीक्षा ने बाजी मारी। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण शिक्षक वर्ग की प्रतियोगिता रही, जिसमें सहायक आचार्य डॉ. दीपक ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। प्राचार्य डॉ. परम भूषण आर्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल अनुशासन और जीवन-मूल्यों का विकास करते हैं। उन्होंने युवाओं को पढ़ाई के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आयोजन का मुख्य संदेश "खेलोंगा भारत, जीतेगा भारत" रहा, जिसने सभी में नई ऊर्जा का संचार

बेटी के जन्मदिन पर लगाए पौधे

रोहतक। सेक्टर 14 निवासी सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी डॉ. रविंद्र नांदल ने बताया कि उनकी दो बेटियां हैं जिनके जन्मदिन पर हर वर्ष फलदार और छायादार पौधे लगाते हैं। आज उनकी बड़ी बेटी अंशु नांदल का 40 वां जन्मदिन था जिनके नाम पर 40 पौधे और छोटी बेटी गरिमा नांदल के नाम पर 36 पौधे लगाकर उन्हें पूरा पेट बना चुके हैं। आज के पौधे लगाने में सामाजिक कार्यकर्ता ईश्वर सिंह दलाल की भी विशेष भूमिका रही। डॉ. नांदल ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी विदेश में रहती है और छोटी बेटी एक्सट्राइज एंड टैक्सेशन ऑफिसर है जो की इंदौर में रहती है इन दोनों के नाम पर पौधे लगाकर उन्हें पेट बनाते हैं।

सियासत बार काउंसिल ने निवर्तमान प्रधान प्रदीप ढाका और आरओ रोहतास राठी के बीच चल रहा विवाद सुलझाया

चुनाव को लेकर सख्त आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

बार एसोसिएशन महम का चुनाव 11 सितंबर को होना है। इसके लिए बार काउंसिल द्वारा सीनियर अधिकवक्ता रोहतास राठी व अधिकवक्ता संदीप बंसल को रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया था। शुक्रवार को स्थानीय स्तर पर अधिकवक्ता अमरजीत अहलावत को मुख्य चुनाव अधिकारी और अधिकवक्ता प्रदीप गोयत को चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिया गया था। रोहतास राठी को बैठक से अनुपस्थित दिखाकर उनके बिना ही चुनाव का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया था।

महम बार एसोसिएशन चुनाव का शेड्यूल फिर से जारी होगा, रोहतास राठी को बनाया मुख्य चुनाव अधिकारी

चुनाव 11 सितंबर को होना है मंगलवार को जारी हो सकता है नया शेड्यूल, अमरजीत अहलावत व प्रदीप गोयत अब नहीं होंगे रिटर्निंग ऑफिसर, पुराने नियम लागू रहेंगे, सभी कर रहे जीत का दावा

नॉमिनेशन की बढ़ी हुई फीस में अभी कोई बढ़ोतरी नहीं होगी

दोनों पक्षों को सुनने के बाद यह तय किया गया है कि रोहतास राठी एक सीनियर एडवोकेट हैं और 1988 से एनरोल्ड हैं, इसलिए वे रिटर्निंग ऑफिसर के तौर पर काम करेंगे और संदीप बंसल असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर के तौर पर काम करेंगे। वोटर लिस्ट का रिकॉर्ड और चुनाव कराने के लिए जरूरी अन्य रिकॉर्ड तुरंत रोहतास राठी को सौंप दिए जाएंगे, जो 24 अगस्त की रसीद के तहत प्रेसिडेंट को सौंपे गए थे। आज शेड्यूल के अनुसार चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी और चुनाव कार्यक्रम जारी करने को लेकर कोई विवाद नहीं होगा चाहिए। क्योंकि चुनाव 11 सितंबर को होने हैं। इस तरह, ऊपर दी गई बात पर विचार करने के बाद, मौजूदा शिकायत का निपटारा किया जाता है और प्रेसिडेंट से अनुरोध किया जाता है कि वे हर तरह से रिटर्निंग ऑफिसर और असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर का सहयोग करें। बार एसोसिएशन महम की किसी भी एग्जीक्यूटिव बॉडी द्वारा कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं किया जाएगा और अगर भविष्य में ऐसा किया जाता है तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि किसी भी रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति से संबंधित कोई भी आदेश आज के इस आदेश के तहत रद्द माना जाएगा। एग्जीक्यूटिव ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार के लिए नॉमिनेशन फीस 11,000 से बढ़ाकर 51,000 की थी जो कि बहुत ज्यादा लग रहा है, इसलिए पुराने नियम ही लागू रहेंगे और फीस में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

जीडी गोयनका स्कूल के खिलाड़ियों ने नेशनल थाई बॉक्सिंग में जीते 4 पदक



हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने 21 से 23 अगस्त 2026 तक नांदेड (महाराष्ट्र) में आयोजित 17वीं नेशनल थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय के चार खिलाड़ियों ने चार पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में तेजस राणा (+85 किग्रा) और पौरव (+90 किग्रा) ने अंडर-19 आयु वर्ग में बेहतरीन खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक जीते। वहीं, शुभम हुड्डा (-55 किग्रा) और देव बरवाल (65 किग्रा) ने कढ़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन कर

रजत पदक हासिल किए। इन सभी चारों पदकधारक खिलाड़ियों का चयन अब आगामी वर्ल्ड थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप-2026 (गोवा) के लिए हुआ है। खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय उनके कोच अभ्यास और कोच शुभम शर्मा के कुशल मार्गदर्शन को देना चाहते हैं। विद्यालय के डायरेक्टर विक्रांत माथना, सान्या माथना, असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. अमन अग्रवाल, प्रिंसिपल डॉ. श्रुति शर्मा और हेडमिस्ट्रेस अनामिका बालहारा ने सभी विजेता विद्यार्थियों व कोच को हार्दिक बधाई दी है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 85 श्रमिकों ने उठाया लाभ

रोहतक। आईएमटी फेज-1 स्थित टाटा स्टील आरती ग्रीन टेक लिमिटेड के परिसर में एडवांटा अस्पताल की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया।

टाटा स्टील आरती ग्रीन टेक लिमिटेड में लगाया शिविर

इसमें 85 श्रमिकों ने स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर के दौरान एडवांटा अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. अंकुर वर्मा, डॉ. मोहित दांडा, डॉ. राकेश चंद्र, डॉ. एम.के. शर्मा, डॉ. बबिता बरक, डॉ. श्रेता यादव, डॉ. सौरभ और डॉ. सचिन की टीम ने श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान शुगर, ब्लड प्रेशर, थायरॉइड और अन्य सामान्य बीमारियों की निःशुल्क जांच की गई।



नर्सिंग ऑफिसर तमन्ना ने अस्पताल के निदेशक मोहित मलिक की ओर से श्रमिकों को निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं। हिंदुस्तान प्रेस ट्रस्ट के स्वयंसेवकों ने विशेष सहयोग प्रदान किया। टाटा स्टील के एचआर हेड दलीप मिश्रा को 'गांव गौरव' सम्मान तथा अस्पताल के निदेशक मोहित मलिक की तरफ से शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

खेलों में भागीदारी से बनेगा स्वस्थ एवं सशक्त समाज: डीसी सतबीर सिंह

रोहतक। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर उपस्थित सतबीर सिंह ने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए जिला वासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन, कठिन परिश्रम और खेल के प्रति समर्पण से भारतीय हॉकी को विश्व स्तर पर नई पहचान दिलाई। उनकी उपलब्धियां आज भी युवाओं और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उपस्थितों ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही जरूरी नहीं हैं, बल्कि इनसे अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। डीसी ने कहा कि युवाओं को शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। जिला प्रशासन का प्रयास है कि खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद का खेल कौशल पूरी दुनिया में प्रसिद्ध था। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने शानदार प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया।

पार्क में दो महिलाओं को काटा

अम्बेडकर कॉलोनी निवासी जसबीर कुमार ने बताया कि शिवाजी कॉलोनी के पार्क में दो महिलाओं को बंदों ने काट लिया। इससे पहले भी कई बार बंद महिलाओं, बच्चों पर हमला कर चुके हैं जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। निगम को कई बार शिकायतें दी गई हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

नेरा शहर, नेरी सनल्पा कॉलन के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-नोडल्ला, वार्ड, गांव और आसपास की सनल्पाओं से हैं परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें क्वेट्सप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

बंदरों ने घर से निकलना किया मुश्किल

कई माह से लोग परेशान, कड़ियों को काट चुके, निगम नहीं कर रहा समाधान

बंदर न केवल घरों में घुसकर सामान उठा ले जाते हैं, बल्कि लोगों पर हमला करने से भी नहीं चूक रहे



हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर के कई इलाकों में इन दिनों बंदरों का आतंक लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को घर से बाहर निकलने से पहले रास्ता देखना पड़ता है और छत या गली में जाते समय हाथ में डंडा तक रखना पड़ रहा है। झुंड में घूम रहे बंदर न केवल घरों में घुसकर

सामान उठा ले जाते हैं, बल्कि लोगों पर हमला करने से भी नहीं चूक रहे। कन्हेली रोड, शिवाजी कॉलोनी, शहीद महावीर पार्क और गोपाल पार्क समेत कई क्षेत्रों में पिछले कई माह से लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम की ओर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा।



पार्क में दो महिलाओं को काटा

अम्बेडकर कॉलोनी निवासी जसबीर कुमार ने बताया कि शिवाजी कॉलोनी के पार्क में दो महिलाओं को बंदों ने काट लिया। इससे पहले भी कई बार बंद महिलाओं, बच्चों पर हमला कर चुके हैं जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। निगम को कई बार शिकायतें दी गई हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

बढ़ती जा रही बंदरों की संख्या

कन्हेली रोड निवासी ने बताया कि उनके क्षेत्र में बंदरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बंदर गलियों और घरों की छतों पर घूमते रहते हैं। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक डर बना रहता है। कई बार बंदर लोगों के पीछे दौड़ पड़ते हैं, जिससे गिरफ्तार चोट लगने का खतरा भी रहता है। उन्होंने कहा कि निगम को जल्द से जल्द बंदरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाना चाहिए।

-पवन कुमार



कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही

बंदों का आतंक अब केवल छतों तक सीमित नहीं रहा है। बंदर घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान उठा ले जाते हैं और विरोध करने पर हमला करने की कोशिश करते हैं। क्षेत्र में कई लोगों को बंदर काट भी चुके हैं। उन्होंने कहा कि लोग लंबे समय से इस समस्या से परेशान हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही।

-राजकुमार

पार्क में जाने से भी कतराने लगे लोग

शहीद महावीर पार्क और आसपास के क्षेत्रों में बंदरों के झुंड अक्सर दिखाई देते हैं। पार्क में आने-जाने वाले लोगों, विशेषकर बच्चों और महिलाओं को काफी परेशानी होती है। बंदरों के डर से लोग सुबह-शाम पार्क में जाने से भी कतराने लगे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि बंदरों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाए और मरिघा में नोबारा ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए प्रभावी व्यवस्था की जाए।

-रामनूर्ति



भाजपा प्रदेश सचिव नागेंद्र शर्मा का कुलताना में होगा मत्स्य स्वागत

सांपला। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेश सचिव एवं जिला पलवल के प्रभारी नागेंद्र शर्मा का उनके पैतृक गांव कुलताना में ग्रामीणों की ओर से मत्स्य स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास जीतेंद्र कुलताना ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव के बेटे नागेंद्र शर्मा को राष्ट्रीय पार्टी की ओर से प्रदेश सचिव के साथ-साथ पलवल जिले के प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि यह पूरे गांव के लिए गर्व की बात है। नागेंद्र शर्मा अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ निभाते हुए गांव और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।



संत रविदास के संदेश को लेकर सांपला मंडल में निकली यात्रा, मासु जोड़ड़ पर मत्स्य स्वागत

सांपला। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत सांपला मंडल में संत रविदास यात्रा निकाली गई। यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा का उद्देश्य संत रविदास महाराज के समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा। यात्रा सांपला मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए आगे बढ़ी। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। मासु जोड़ड़ पर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की ओर से यात्रा का पुष्पवर्षा एवं फूल-मालाओं से मत्स्य स्वागत किया गया। संत रविदास महाराज के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास महाराज ने समाज को जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता, समानता और भाईचारे के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। इस अवसर पर अशोक रंगा, निजिन लेगन, रणवीर सिंह निबिड़िया, नागेंद्र शर्मा, एडवोकेट मनोज कुमार, नरेश खुडिया, रवि हुड्डा, जीतेन्द्र नांदल, राज सिंह अम्बेडकर, अमन भारद्वाज, हेमंत भारद्वाज, राज कुमार वार्माकि, धर्मेपाल सहरावत, श्रीवास सैनी, एडवोकेट कविता शर्मा, संदीप पांडेय, राज सिंह मलिक, अंतर्राष्ट्रीय कवड़ी खिलाड़ी दीपक हुड्डा, बिजेन्द्र सैनी आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने शूटर भूमि चौधरी को किया सम्मानित

■ सीएम धामी ने 1.75 लाख का नगद पुरस्कार प्रदान किया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल जगत से रोहतक के लिए एक गौरवशाली खबर सामने आई है। अभिनंदन शूटिंग अकादमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी और एशियन शूटिंग चैंपियनशिप की पदक विजेता भूमि चौधरी को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विशेष रूप से सम्मानित किया। इस दौरान भूमि को उनकी उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों के लिए 1,75,000 की पुरस्कार राशि से नवाजा गया।

भूमि चौधरी पिछले लंबे समय से कोच संदीप नेहरा के मार्गदर्शन में



रोहतक। भूमि को सम्मानित करते उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

लगातार कड़ा अभ्यास कर रही हैं। अपनी मेहनत, अनुशासन और पक्के इरादों के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय मंच से आगे बढ़ते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन किया

है। मुख्यमंत्री के हाथों मिला यह सम्मान न केवल भूमि के खेल करियर का एक नया अध्याय है, बल्कि 'खेलो इंडिया' से मान्यता प्राप्त अभिनंदन शूटिंग अकादमी के

लिए भी गर्व का क्षण है। खिलाड़ी की इस शानदार उपलब्धि पर कोच संदीप नेहरा ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि सफलता के पीछे वर्षों का कड़ा परिश्रम और अटूट समर्पण होता

पिता के अटूट विश्वास ने बदली तकदीर

रोहतक के विन्ध्य नगर की रहने वाली युवा निशानेबाज भूमि ने अपनी मेहनत के दम पर शूटिंग जगत में एक अलग पहचान बनाई है। वर्तमान में भूमि उत्तराखंड स्टेट का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और रोहतक की ओमेक्स सिटी स्थित अभिनंदन अकादमी में कोच संदीप नेहरा के मार्गदर्शन में अपने खेल को निखार रही हैं। भूमि की यह सफलता आसान नहीं थी। उन्हें बचपन से ही पढ़ाई का शौक था, लेकिन उनके सेवानिवृत्त फौजी पिता संदीप कुमार चाहते थे कि उनकी बेटी शूटिंग में अपनी भविष्य बनाए। साल 2021 में पिता ने अपने दोस्तों के बच्चों को शूटिंग करते देखा तो भूमि को भी इस खेल से जोड़ने की ठान ली। हालांकि, शुरुआत में पूरा परिवार इसके खिलाफ था। परिवार का मानना था कि भूमि को अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना चाहिए। इसके बावजूद पिता अपने फैसले पर अडिग रहें और उन्होंने भूमि को रोहतक की अभिनंदन शूटिंग अकादमी में कोच संदीप नेहरा के पास प्रशिक्षण के लिए भेजा। भूमि का परिवार रोहतक के विन्ध्य नगर का रहने वाला है। उनके पिता संदीप कुमार भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हैं, माता निशा एक गृहिणी हैं और परिवार में एक भाई भी है। शुरुआती विरोध के बाद, आज परिवार को भूमि की उपलब्धियों पर गर्व है।

है। भूमि ने यह साबित कर दिया है कि लगन के साथ मेहनत करने वाला युवा खिलाड़ी वैश्विक पटल पर भी अपनी अलग पहचान बना सकता है।

गुलिया खाप ने भूमि का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि भूमि आगे भी शानदार प्रदर्शन करते हुए देश व प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

बेसहारा बच्चों की प्रतिभा निखार रहे गुलशन शर्मा



रोहतक। गोहाना रोड स्थित चौधरी लखीराम आर्य जगन्नाथ आश्रम में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फाइन-एस स्पोर्ट्स चैरिटेबल संस्था की ओर से कबड्डी, बॉलीबाल एवं रस्साकशी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में आश्रम में रहने वाले बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आश्रम के प्रधान रणबीर सिंह छिकारा बच्चों की सेवा और उनके बेहतर भविष्य के लिए लगातार प्रयासरत हैं। आश्रम में ऐसे बच्चों को सहाय दिया जाता है, जिनके माता-पिता नहीं हैं, परिवार ने उन्हें छोड़ दिया है अथवा जो किसी कारण से बेसहारा हो गए हैं। जरूरतमंद बच्चों को पुलिस द्वारा भी यहां पहुंचाया जाता है। वहीं एशियन वर्ल्ड स्पोर्ट्स मास्टर्स गेम में पदक विजेता गुलशन शर्मा इन बच्चों को खेलों से जोड़कर उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में बच्चे कबड्डी, बॉलीबाल, हॉकी और रस्साकशी जैसी खेल में हिस्सा लेकर आत्मविश्वास हासिल कर रहे हैं।

राज्य स्तरीय थांग-ता स्पर्धा का सत जिन्दा कल्याण काम्प्लेक्स में आगाज

25 किलोग्राम भार वर्ग में जिले के माहिर ने हासिल किया स्वर्ण पदक

■ प्रतियोगिता में 12 जिलों के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

कलानौर के सत जिन्दा कल्याण महाराज जी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में थांग-ता एसोसिएशन हरियाणा के तत्वाधान में 18वीं राज्य स्तरीय थांग-ता प्रतियोगिता 2026-27 का शुभारंभ महंत सत बाबा हरपाल सिंह, अजय खुंडिया, प्रदेश अध्यक्ष, अनुसूचित जाति मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा, प्रमुख आनंद (कालू आनंद) वाईस-चेयरमैन प्रतिनिधि, नगर पालिका कलानौर, सरदार हरप्रीत सिंह जुनेजा, पार्षद, वार्ड नं. 13, नगर पालिका कलानौर, सुनील कुमार बागड़ी (बोबी बागड़ी), पूर्व चेयरमैन, नगर पालिका कलानौर, लक्ष्मी नारायण कागड़ा, पार्षद प्रतिनिधि, वार्ड नं. 11, नगर पालिका, कलानौर के रूप में किया व सभी बच्चो को उनके उज्जवल



रोहतक। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए।

फोटो:हरिभूमि

भविष्य की कामना की। 25 किलो भार वर्ग में रोहतक के माहिर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

प्रतियोगिता के विशेष अतिथि थांग-ता एसोसिएशन, हरियाणा के महासचिव मदन लाल बागड़ी ने बताया की यह प्रतियोगिता 2 दिन तक चलेगी व इसमें से विजेता खिलाड़ी ही आने वाली 32वीं राष्ट्रीय स्तरीय थांग-ता चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम के रूप में

प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में 12 जिलों के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया व पहले दिन रोहतक जिले के खिलाड़ियों ने सबसे अधिक मेडल जीते। सब-जूनियर बालक वर्ग के फूनाबा अमा इवेंट में रोहतक के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। 25 किलो भार वर्ग में रोहतक के माहिर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।



जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में राजीव गांधी स्टेडियम की टीम ने पाया प्रथम स्थान

रोहतक। महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को राजीव गांधी खेल परिसर, रोहतक के हॉकी मैदान (एस्ट्रेटफ़) में जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। डॉक्टर जनक राज ने बताया कि कार्यक्रम में दीपक जलाई, मिर्जा सहपक, मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि अनूप सिंह, कार्यवाहक जिला खेल अधिकारी रोहतक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। लड़कों के वर्ग में पहले मुकाबले में राजीव गांधी स्टेडियम, रोहतक की टीम ने लाखन माजरा स्टेडियम की टीम को 2-1 से पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में बोहर स्टेडियम की टीम ने गिरावड़ को 3-2 से हराया। काइलन मुकाबले में राजीव गांधी स्टेडियम, रोहतक की टीम ने बोहर स्टेडियम को 3-1 से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। काइलन मुकाबले में राजीव गांधी स्टेडियम की टीम ने गिरावड़ को 2-1 से पराजित कर प्रथम स्थान हासिल किया। गिरावड़ द्वितीय तथा लाखन माजरा की टीम तृतीय स्थान पर रही।



श्री लालनाथ कॉलेज में खेल दिवस पर हुई खो-खो व योगा प्रतियोगिता

रोहतक। श्री लाल नाथ महाविद्यालय रोहतक में डीजीएचई, पंचकूला के दिशा निर्देशन में मेजर ध्यानचंद की जयंती व (राष्ट्रीय खेल दिवस)के अवसर पर विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल तनेजा ने कहा कि मेजर ध्यानचंद को हॉकी का जादूगर कहा जाता था। उन्हें सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी जयंती को भारत वर्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। खेल को खेल की भावना से खेलना ही हमारी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें योगा, शतरंज, बैडमिंटन,स्माल हाफ्टा, खो-खो तथा टेबल टेनिस करवाई गई। इन गतिविधियों में स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने बड़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. अंजु देशपाल, डॉ. रश्मि छाबड़ा डॉ. चित्रा शर्मा, डॉ. दीपति शर्मा, डॉ. शाफू, डॉ. राजेश, डॉ. संदीप, डॉ. मनीष, डॉ. मौसम, मिस ललित हुड्डा, डॉ. पूनम,डॉ. मोहित, डॉ. सुजाता उपस्थित रहे।



एमडीयू में खेल दिवस पर हुई क्रिकेट, कबड्डी और बैडमिंटन प्रतियोगिता

क्रिकेट प्रतियोगिता में एमडीयू ने 53 रन से जीता मुकाबला

विश्वविद्यालय में कुलपति मिलाप पूनिया के नेतृत्व में खेलों को दिया जा रहा बढ़ावा : कुलताज

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के दूसरे दिन शनिवार को एमडीयू एम्प्लाइन क्रिकेट टीम और स्वास्थ्य विज्ञान विवि एम्प्लाइन क्रिकेट टीम के बीच सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट स्टेडियम में टी 20 क्रिकेट



रोहतक। क्रिकेट मैच का शुभारंभ के दौरान मुख्यअतिथि डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. राजेश पुनिया व खेल निदेशक कुलताज सिंह ।

मैच आयोजित किया गया। इसके अलावा कबड्डी और बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया

गया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत मेजर ध्यानचंद को पुष्प अर्पित कर

श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। खेल निदेशक कुलताज सिंह ने उनके खेल जीवन और देश के लिए दिए गए योगदान को याद करते हुए युवाओं से खेल भावना, अनुशासन और समर्पण की भावना अपनाने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि डीन, कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. राजेश पुनिया ने इन प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। क्रिकेट मैच का टॉस करवाते हुए उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों

को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। क्रिकेट मैच का समन्वयन कोच मुकेश गोयल, कबड्डी का कोच विकास कुमार और बैडमिंटन का कोच विजय कुमार ने किया। खेल निदेशक कुलताज सिंह ने कहा कि एमडीयू में कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया के नेतृत्व में खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। रविवार को इस समारोह के आखिरी दिन योग सत्र का आयोजन होगा।

प्रवीन ने लिए 3 विकेट

एमडीयू की ओर से राज ने ऑलराउंडर प्रदर्शन किया और नैन ऑफ द मैच बने। उन्होंने 49 रनों का सामना करते हुए 10 चौके और 1 छक्का लगाते हुए शानदार 71 रन की पारी खेली। वहीं पंकज नैन ने 18 गेंदों पर 27 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। एमडीयू की तरफ से गेंदेबाजी में राज ने तीन, प्रो. महेश कुमार, पंकज नैन और सुमित कुमार ने दो-दो विकेट और प्रो. जितेंद्र कुमार ने एक विकेट लिया। गेंदेबाजी में पीजीआई के परवीन ने 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इसके अलावा राकेश यादव और रविंदर सिंह ने 2-2 विकेट, जबकि एसएस मान ने एक विकेट लिया।



बैडमिंटन प्रतियोगिता में छात्रा वर्ग में मुस्कान प्रथम

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय रोहतक में मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में उच्चतर शिक्षा निदेशालय पंचकूला के निदेशानुसार छात्राओं और महिला स्टाफ सदस्यों के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शमशेर सिंह ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए सभी विजेता स्टाफ सदस्यों व छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। फीमेल स्टाफ वर्ग में किरण ने प्रथम, डॉ. रेणु ने द्वितीय और डॉ. सुमन रानी ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं छात्रा वर्ग में मुस्कान ने प्रथम, दृष्टि ने द्वितीय और मोनिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान डॉ. योगेश, डॉ. नीरज, डॉ. ईशान, डॉ. प्रीति, डॉ. रंगीता, डॉ. तारिका, डॉ. सुमन अहलावत, रोहित, आकाश, डॉ. रोहिणी, डॉ. प्रिया व साहिल सहित अन्य उपस्थित रहे।



बीएमयू में टेबल टेनिस में निशांत रहे अव्वल

रोहतक। बाबा मरतनाथ विश्वविद्यालय (बीएमयू) में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पुरुष वर्ग की टेबल टेनिस चैंपियनशिप का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। विभिन्न संकायों के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। फेक्टर्टी ऑफ फिजियोथेरेपी के निशांत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मैनेजमेंट के अनुरागन, आत्मविश्वास, धैर्य और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने युवाओं से पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार ने महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के योगदान को याद करते हुए विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं को सीखने के अवसर के रूप में देखने की प्रेरणा दी। डीन अकादमिक अफेयर्स डॉ. नवीन कपिल ने भी खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।



हॉकी प्रतियोगिता में सीआर पब्लिक स्कूल विजेता

रोहतक। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शहर के किशोरी कॉलेज के सामने स्थित मैदान में एक रोमांचक हॉकी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों ने भारी उत्साह के साथ बड़-चढ़कर भाग लिया और अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। पाइलन मुकाबला सी.आर. पब्लिक स्कूल और सैनी स्कूल रोहतक के बीच खेला गया। बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में सी.आर. पब्लिक स्कूल की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए सैनी स्कूल को 2-0 से पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैच के समापन पर विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को जाट एजुकेशन सोसायटी के प्रधान गुलाब सिंह दिमान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की पीठ थपथपाते हुए खेल भावना को बनाए रखने और जीवन में गिरंरत आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर खेल प्रेमियों और विद्यालय के गणमान्य लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।



बाबा बंदा बहादुर स्कूल में हुई खेल प्रतियोगिताएं

रोहतक। बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। यह आयोजन महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में हुआ। नर्सरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बड़-चढ़कर अपनी प्रतिभा दिखाई। प्राथमिक कक्षाओं के नन्हें-सूजने में मनोरंजक दोड़ में हिस्सा लिया, जबकि तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों ने एथलेटिक्स और लंबी दूरी में दमकम दिखाया। छठी से बारहवीं कक्षा के छात्र वर्ग के लिए क्रिकेट, बास्केटबॉल और कबड्डी तथा छात्राओं के लिए बैडमिंटन और शतरंज प्रतियोगिताओं के मुकाबले हुए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।



मॉक पार्लियामेंट में मन्वत को बेस्ट डेलीगेट का सम्मान

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को संसदीय कार्यप्रणाली से परिचित कराने के उद्देश्य से मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें नवीं से बारहवीं कक्षा के करीब 72 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने यूएम रिजर्वेशन बिल और डी-लिमिटेशन इम्पैक्ट ऑन इंडियन डेमोक्रेसी जैसे गंभीर समसामयिक विषयों पर प्रभावशाली बहस की और देश के प्रमुख राजनेताओं की भूमिका निभाते हुए अपने वक्ता कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। ग्यारहवीं कक्षा के कनिष्क अनेजा ने लोकसभा स्पीकर की प्रभावी भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में मन्वत लाउट को बेस्ट डेलीगेट का सम्मान मिला, जबकि वेदवत, आराध्या, दिव्यांक को हाई कम्बेशन्स तथा रेवा, अनन्या, वंशिका व युवराज को स्पेशल मेशन और जितेन, हर्ष, संचित व प्रगति को 'वर्बल मेशन' से सम्मानित किया गया।



अंग्रेजी विवज में इवैलिटी हाउस ने पाया प्रथम स्थान

रोहतक। शीतल स्पोर्ट्स सैनिटरी सेकेंडरी स्कूल, किलोई (रोहतक) में विद्यार्थियों के अंग्रेजी कौशल और तर्कशक्ति को परखने के लिए एक विशेष अंग्रेजी विवज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा एवी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के बीच हुए इस रोमांचक प्रतियोगिता को जूनियर और सैनियर दो वर्गों में बांटा गया था। दोनों ही वर्गों में इवैलिटी हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान अपने नाम किया, जबकि हर्नल हाउस द्वितीय श्रेणियों में उपविजेता (द्वितीय स्थान) रहा। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने व्याकरण और भाषा से जुड़े कठिन सवालों के आत्मविश्वास के साथ जवाब दिए, जिससे उनमें टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का विकास हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल हुड्डा और निदेशक नेहा ने कार्यक्रम में विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए सभी बच्चों को ऐसी शैक्षणिक गतिविधियों में बड़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। इस सफल आयोजन से विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा।

नए राजस्व पोर्टल की तकनीकी खामियां दूर करने समेत कई और मांग हैं कर्मचारियों की

350 जाति प्रमाणपत्र, 450 ज़हा संबंधी काम नहीं हो रहे एक दिन पहले डीसी ने खेतों में जाकर देखी थीं दिक्कतें

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶रोहतक

पटवारियों एवं कानूनगो की कलम छोड़ हड़ताल से जिले में लोगों से जुड़े करीब 2,780 राजस्व एवं अन्य कार्य अटक गए हैं। इनमें करीब 900 निवास प्रमाणपत्र, 850 जमाबंदी सत्यापन, 450 ऋण संबंधी, 350 जाति सत्यापन और करीब 230 क्षेत्रीय कार्य

ओल्ड आईटीआई, गोहाना रोड सहित बाहरी एरिया में कूड़ा जला रहे लोग

सांस के मरीज परेशान, राहगीरों को हो रही दिक्कतें, मरे पशुओं की बदबू आ रही

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶रोहतक

शहर में खुले में कूड़ा जलाने की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। ओल्ड आईटीआई, गोहाना रोड, दिल्ली रोड समेत बाहरी क्षेत्रों में जगह-जगह कूड़े के ढेर में आग लगाए जाने से निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। सबसे ज्यादा दिक्कत सांस संबंधी बीमारी से जूझ रहे मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को हो रही है। वहीं, कई स्थानों पर कूड़े के साथ मृत पशुओं के अवशेष पड़े होने से आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध भी फैल रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, तड़कें और शाम के समय कई जगह कूड़े में आग लगा दी जाती है। इससे सड़क और आसपास के इलाकों में धुएँ की चादर छा जाती है। राहगीरों को आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी



रोहतक। ओल्ड आईटीआई में कूड़े के ढेर में लगाई आग।



फोटो: हरिभूमि

का सामना करना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी धुएँ के कारण दृश्यता प्रभावित होती है, जिससे हादसे का खतरा बना रहता है। लोगों का कहना है कि कूड़े में प्लास्टिक, रबर और अन्य ज्वलनशील सामग्री शामिल होने के कारण आग लगने के बाद निकलने वाला धुआं काफी जहरीला होता

है। लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सांस के मरीजों को ऐसे धुएँ से विशेष रूप से बचने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, बाहरी क्षेत्रों में कूड़े के ढेर के पास मृत पशुओं के पड़े रहने से स्थिति और खराब हो गई है। तेज दुर्गंध के कारण आसपास

से गुजरना तक मुश्किल हो रहा है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से कूड़ा उठाने, खुले में कूड़ा जलाने पर रोक लगाने और मृत पशुओं के अवशेषों का तत्काल निस्तारण कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

महम: 24वें दिन भी गरजे सफाई कर्मचारी

महम। महम में नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों व उनके साथ धरने पर बैठे फायर कर्मचारियों की हड़ताल शुक्रवार को 24वें दिन भी जारी रही। हड़ताली कर्मचारियों ने धरना स्थल पर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मांगें पूरी नहीं करने पर सरकार के प्रति नाजगगी जताई। कर्मचारियों ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को नजर अंदाज करना सरकार के लिए उचित नहीं है। सरकार को बातचीत के माध्यम से जल्द समाधान निकालना चाहिए। धरने पर बसपा महम मंडल अध्यक्ष अजीत मेहरा भी पहुंचे। इन्होंने कर्मचारियों का समर्थन किया। और कहा कि सफाई और फायर कर्मचारी दिन-रात जनता



की सेवा में जुटे रहते हैं। ऐसे कर्मचारियों की मांगों पर सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। धरने की अध्यक्षता सफाई कर्मचारी प्रधान संजय कागड़ा एवं फायर कर्मचारी प्रधान सोमबीर ने की। धरने में सर्वकर्मचारी संघ के नेता राजेंद्र डावला, सफाई कर्मचारी सचिव बबीता, किरण व बेबी और दमकल केंद्र के कर्मचारी शीतू, प्रदीप, नरेश, मंजीत व संदीप मान सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारी दहाड़े: सरकार की सख्ती से डरने वाले नहीं

रोहतक। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा और अग्निशमन विभाग युनियन के संयुक्त आह्वान पर निगम में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को 24वें दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकार की सख्ती और पुलिस कार्रवाई की धमकियों से वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। हड़ताल की अध्यक्षता कर रहे नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की रोहतक इकाई के प्रधान शम्भू टांक ने कहा कि सरकार हड़ताल समाप्त करवाने के बजाय कर्मचारियों को धमकाने का काम कर रही है। शम्भू टांक ने कहा कि रविवार को सुखपुरा चौक स्थित कर्मचारी भवन में नरेश शास्त्री की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यकारिणी की विशेष बैठक बुलाई गई



है। बैठक में हड़ताल को और तेज करने को लेकर निर्णय लिया जाएगा। अग्निशमन विभाग कर्मचारियों के जिला प्रधान सोनू हुड्डा और प्रदेश राज्य कमेट्री सदस्य अरुण दूल ने भी कर्मचारियों की मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। हड़ताल का संचालन राकेश चावरिया ने किया। इस दौरान कंचल राणा, सुभाष चावरिया, सुरेंद्र चावरिया, सुरेश पिताल, योगेश बिड़लान, भीम चावरिया आदि मौजूद थे।

मच्छरों से बचाव के लिए सावधानी बरतें

रोहतक। उपायुक्त सतबीर सिंह ने जिला वासियों से डेंगू सहित मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की सावधानियों का पालन करने की अपील की है। डेंगू से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका मच्छरों की रोकथाम और उनके प्रजनन स्थलों को समाप्त करना है। घर, कार्यालय और आसपास पानी जमा न होने दें। कुल्लर, गमले, टायर, छतों पर रखे बर्तन, पानी की टैंकियों सहित ऐसे सभी स्थानों को नियमित सफाई करें, जहां पानी एकत्र हो सकता है। घर व आसपास स्वच्छता बनाए रखें। डीसी ने कहा कि बाहर निकलते समय पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें और आवश्यकता के अनुसार मच्छरदानी तथा मच्छर मगाने वाले साधनों का प्रयोग करें। बुखार, तेज सिरदर्द, शरीर में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, जी मिवलाना या त्वचा पर लाल चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य विभाग के जागरूकता एवं जांच अभियान में सहयोग करने की अपील की।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिना ज़ा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक

ऑफिस नं. : 9253681019-20,

फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती

मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है

आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुगम हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	₹. 2000/-
10 X 8 से.मी		₹. 3000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए काई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

सिटी कार्यालय : हरिभूमि, कृषि विज्ञान केंद्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9998959400

मुख्य कार्यालय : हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681010-19

पटवारियों की हड़ताल से 2780 लोगों के काम अटके 900 रिहायशी प्रमाणपत्र, 850 जमाबंदी नहीं हुई

समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर होगा समाधान

उपायुक्त ने पटवारियों को आश्चर्य किया था कि डिजिटल फसल सर्वे पूरा करने में जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग देगा और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा था कि सर्वे के आंकड़े कृषि योजनाओं एवं नीतियों के लिए महत्वपूर्ण आधार बनेंगे, इसलिए प्रत्येक खेत और फसल का सही विवरण दर्ज करना जरूरी है। इसके अगले दिन हड़ताल के कारण डिजिटल फसल सर्वे सहित राजस्व कार्य प्रभावित होने से प्रशासन के सामने कामकाज सुचारु रखने की चुनौती खड़ी हो गई। पटवारी एवं कानूनगो एसोसिएशन के जिला प्रधान रवि ने कहा कि उन्हें हड़ताल



अगस्त को प्रदेशभर में दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की गई। मांगों का समाधान नहीं होने पर 26 अगस्त से अनिश्चितकालीन कलम छोड़ हड़ताल शुरू कर दी गई।

करने का कोई शौक नहीं है। सरकार उनकी मांगों को लेकर अडियल रवैया अपनाए हुए है, जिसके कारण लोगों को प्रशासनिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार मांगें मान ले तो कर्मचारी काम पर लौटने को तैयार हैं। ध्यान रहे कि राजस्व कर्मचारियों ने नए राजस्व पोर्टल की तकनीकी खामियों, जमाबंदी और इंतकाल के कार्यों में आ रही दिक्कतों तथा डिजिटल फसल सर्वे की प्रक्रिया को लेकर विरोध शुरू किया था। 20 और 21 अगस्त को प्रदेशभर में दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की गई। मांगों का समाधान नहीं होने पर 26 अगस्त से अनिश्चितकालीन कलम छोड़ हड़ताल शुरू कर दी गई।

ये हैं प्रमुख मांग

एसोसिएशन की मांगों में नए राजस्व पोर्टल की तकनीकी खामियां दूर करना, गृहियों की जिम्मेदारी तय करना, डिजिटल फसल सर्वे की प्रक्रिया में बदलाव, लंबित भुगतान एवं वेतन बढ़ाया जारी करना तथा ऑनलाइन और क्षेत्रीय कार्यों के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाना शामिल है।



कॉलेजों में पीजी कोर्स की फिजिकल काउंसलिंग

रोहतक। जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में शनिवार को पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) कोर्सेज में दाखिले के लिए फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया गया। काउंसलिंग प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए सुबह से ही कॉलेजों में विद्यार्थियों की भारी भीड़ देखने को मिली। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार विद्यार्थियों ने सुबह 12:00 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और रिपोर्ट किया। इसके बाद दोपहर 1:00 बजे के बाद काउंसलिंग की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू हुई। 30 अगस्त से 5 सितंबर: 100 रुपये लेट फीस के साथ फिजिकल काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। 6 सितंबर से 12 सितंबर: इस अवधि के दौरान 100 रुपये लेट फीस और इसके साथ प्रति दिन 100 रुपये अतिरिक्त लेट फीस के साथ दाखिला प्रक्रिया जारी रहेगी।

ट्रेडिंग में कमाई का लालच देकर मंगाए 5 लाख पिस्तौल दिखाकर लूटे, हादसे ने बिगाड़ा प्लान

लादौत रोड पर ले जाकर हथियार के बल पर छीने रुपये, पीछा करने पर आरोपियों की गाड़ी बाइक से टकराई तो मौके से भागे, चौथा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶रोहतक

ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का लालच, खाते में मंगावाए गए पांच लाख रुपये... और फिर पिस्तौल दिखाकर लूट। रोहतक में लूट की एक ऐसी वारदात सामने आई थी, जिसमें आरोपियों ने पहले शिकायतकर्ता को अपने जाल में फंसाया और रकम मंगवाने के बाद उसे लादौत रोड की तरफ ले गए। हथियार के बल पर रुपये लूटकर आरोपी फरार हुए तो पीड़ित ने उनका पीछा शुरू कर दिया। इसी दौरान लादौत चौक के पास आरोपियों की गाड़ी एक बाइक से टकरा गई। हादसे के बाद आरोपी गाड़ी छोड़कर भाग गए और पीड़ित को उसी गाड़ी से अपने पांच लाख रुपये मिल गए। अब पुलिस ने मामले में चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया है।



पहले ट्रेडिंग का सपना दिखाया

पुलिस प्रवक्ता मनीष के अनुसार, एकता कॉलोनी निवासी विशाल ने 30 जुलाई को शिकायत दी थी। विशाल अपने दोस्त अजय से मिलने सनसिटी गया था। वहां अंकित भी मौजूद था। आरोप है कि अंकित ने विशाल को बताया कि उसके पास ट्रेडिंग करने वाले युवक हैं और यूएसडीटी के जरिए अच्छी कमाई हो सकती है। इसी लालच में विशाल ने पांच लाख रुपये मंगवाने की बात कही गई। विशाल ने अपने दोस्त रवि को फोन कर पांच लाख रुपये मंगावा लिए।

चौथा आरोपी भी पुलिस की गिरफ्त में

मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक संजय द्वारा की जा रही है। पुलिस ने 28 अगस्त को संबंधी पुत्र बिजेंद्र निवासी नुना माजरा, जिला इम्फा जल के गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, वारदात में शामिल तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।



30 वर्ष की आयु में 40वीं बार रक्तदान

रोहतक। मॉटेवेशनल स्पीकर एवं सामाजिक कार्यकर्ता विपुल शर्मा ने 40वीं बार स्वेच्छिक रक्तदान किया। विपुल ने बताया कि वे प्रत्येक तीन महीने में नियमित रूप से रक्तदान करते हैं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करते ही उन्होंने रक्तदान की शुरुआत की थी और अब 30 वर्ष की आयु में वे 40 बार निरंतर रक्तदान कर चुके हैं। विपुल ने कहा कि हमें नियमित रूप से स्वेच्छिक रक्तदान करना चाहिए, ताकि रक्त की कमी की पूरा किया जा सके और जरूरतमंदों की समय पर सहायता हो सके। रक्तदान एक महादान है, जो कई जिंदगियां बचाने में सहायक होता है। विपुल ने इस अवसर पर अतिरिक्त नर्सिंग अधीक्षक रमनजीत बिल का विशेष रूप से धन्यवाद किया।



बिजली कर्मचारियों का सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज, कल पूरे प्रदेश में प्रदर्शन

रोहतक। हरियाणा सरकार पर वायदखिलाफी और विश्वासघात का आरोप लगाते हुए हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने आंदोलन तेज करने का फैसला लिया है। कर्मचारी भवन रोहतक में हुई मोर्चे की बैठक में अध्यक्षता इंजीनियर एसोसिएशन के महासचिव रविंद्र धगधस ने की। बैठक में बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। चेयरमैन देवेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 10 अगस्त को बिजली मंत्री अनिल विज के साथ वार्ता में लिखित आश्वासन के बावजूद 26 अगस्त को नई दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। महासचिव रविंद्र धगधस ने बताया कि 30 अगस्त को प्रदेश के सभी विधायकों को ड्रापन देकर विधानसभा में इन मुद्दों का विरोध करने की मांग की जाएगी। 31 अगस्त को प्रदेशभर के सब-डिवीजनों पर समानांतर लाइसेंस प्रणाली और कृषि वितरण निगम से संबंधित प्रतियां जलाकर विरोध किया जाएगा।

पूर्व मंत्री सुभाष बतरा की नौटंकी, बोले जब किरण चौधरी बोल रही थी तो कानों में रूई लगा ली थी

- विचारों का जवाब विचारों से दिया जाना चाहिए, लाठी और धक्कों से नहीं: सुभाष
- पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा से धक्कामुक्की की निंदा की



हरिभूमि न्यूज़ ▶▶रोहतक

पूर्व गृह मंत्री सुभाष बतरा ने कहा कि जब भाजपा की पूर्व सांसद किरण चौधरी ने बोलना शुरू किया तो उन्होंने अपने कानों में रूई लगा ली थी। इसलिए उन्हें नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा था। वे शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने हरियाणा सरकार पर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ कथित धक्का-मुक्की की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि विचारों

का जवाब विचारों से दिया जाना चाहिए, लाठी और धक्कों से नहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर से नेता प्रतिपक्ष के लिए कथित अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल को भी विधानसभा की गरिमा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा किसी एक बिरादरी के नेता नहीं, बल्कि 36 बिरादरी के नेता हैं। उन्होंने दावा किया कि किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी और युवा समेत हर वर्ग का समर्थन हुड्डा के साथ है। उन्होंने हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा के खिलाफ लगातार

अंबाला केंद्रीय जेल से होगी ‘जेल की रोटी’ की शुरुआत

अब सरकार आम आदमी को भी जेल की रोटी खिलाएगी!

- घर बैठे भी मंगवा सकेंगे, फिलफार्ट से समझौते की तैयारी
- ‘एक बार जेल की रोटी खा ली तो दोबारा जेल नहीं जाना पड़ता’ लोगों में ऐसी धारणा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶रोहतक

जिस ‘जेल की रोटी’ के नाम से आम आदमी अब तक जेल की सलाखों और कैद की जिंदगी को जोड़ता रहा है, अब वही रोटी उसकी थाली तक पहुंचने वाली है। हरियाणा सरकार जेल में बंद कैदियों से तैयार कराया गया भोजन आम लोगों को

खिलाने की तैयारी कर रही है। जेल विभाग की इस नई पहल की शुरुआत पायलट परियोजना के तौर पर अंबाला केंद्रीय जेल से होगी। जेल के बाहर बनी कैटीन और कैफे केंद्र में आम लोग पहुंचकर यह भोजन खरीद सकेंगे। प्रयोग सफल रहा तो प्रदेश की दूसरी जेलों की कैटीन में भी ‘जेल की रोटी’ मिलने लगेगी। फिलहाल इसकी शुरुआत नहीं होगी।

‘जेल की रोटी’ खाने के लिए अब किसी को जेल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। शुरुआत में अंबाला केंद्रीय जेल के बाहर कैटीन से भोजन मिलेगा। इसके बाद घर तक पहुंचाने की व्यवस्था शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए फिलफार्ट



एसआई जेनरेटड

के साथ समझौता करने की योजना बताई गई है। यानी योजना आगे बढ़ी तो जेल की रसोई में तैयार भोजन घर बैठे मंगवाने का रास्ता भी खुल सकता है। यह पहल केवल लोगों को भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। जेल विभाग का उद्देश्य कैदियों को उपयोगी और

रचनात्मक कार्यों से जोड़ना, उनके खाना बनाने के कौशल को निखारना और पुनर्वास की प्रक्रिया को मजबूत करना भी है। कैदियों द्वारा तैयार भोजन को आम लोगों तक पहुंचाने से उनके हुनर को जेल परिसर से बाहर पहचान मिलने का अवसर मिलेगा। भोजन की बिक्री से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कैदियों के कल्याण, कौशल विकास और पुनर्वास से जुड़े कार्यों में किए जाने की योजना है। ‘जेल की रोटी’ के नाम के साथ हरियाणा में एक दिलचस्प लोकधारणा भी जुड़ी है। आम बोलचाल में कहा जाता है कि कोई व्यक्ति बिना अपराध के एक बार जेल की रोटी खा ले तो उसे दोबारा जेल नहीं जाना पड़ता।

रोहतक की केंद्रीय जेल को अमी करना होगा इंतजार

केंद्रीय जेल होने के बावजूद यहां फिलहाल यह योजना शुरू नहीं की जा रही। अंबाला में शुरू होने वाले प्रयोग की सफलता और लोगों की प्रतिक्रिया के बाद इसे प्रदेश की दूसरी जेलों तक विस्तार देने की योजना है। ऐसे में रोहतक के लोगों को अमी अंबाला के प्रयोग का नतीजा देखने का इंतजार करना होगा। योजना आगे बढ़ी तो वह दिन दूर नहीं जब रोहतक में भी लोग जेल की सलाखों के पीछे जाने के बजाय जेल की रसोई का खाना खरीबने के लिए पहुंचेंगे। जेल की रसोई से आम आदमी की थाली तक पहुंचने वाली यह पहल अपने नाम और अंबाज दोनों के कारण अलग है। जब असली परीक्षा यह होगी कि जिस जेल की रोटी का नाम कभी लोग जेल से बचने के लिए लेते थे, वहीं नाम उसकी को मेज पर कितनी लोकप्रियता हासिल करता है।

जन्माष्टमी पर लोकआस्था ही नहीं भक्ति का केंद्र बन जाता है मथुरा



धार्मिक स्थल / वीणा गौतम

भाद्रपद या भादों का महीना आते ही देश के नक्शे पर एक शहर भक्ति और भावना का संगम, आस्था का केंद्र बन जाता है, यह शहर है- भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा। भादों महीने में, जो कल ही आरंभ हुआ है, मथुरा की गलियां अपने आपमें तीर्थ बन जाती हैं। हर गली में मौजूद अनेक मंदिरों वाला यह शहर एक विशाल पूजा स्थल में बदल जाता है।

पूरा शहर हो जाता है कृष्णमय: जन्माष्टमी के दिन तो मथुरा में पूरी रात देश के कोने-कोने से आए लाखों तीर्थयात्री भक्ति का जागरण करते हैं। सिर्फ जन्माष्टमी के दिन ही नहीं, पूरे भादों महीने में यहां देश ही नहीं बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए तीर्थयात्रियों की उत्सवमयी मौजूदगी उल्लास गुंजता रहता है। हालांकि साल के बाकी दिनों में भी मथुरा में तीर्थयात्रियों की भरमार रहती है, लेकिन जन्माष्टमी की तो बात ही अलग होती है। इस दौरान तो जैसे पूरे महीने यह पूरा शहर कृष्णमय उत्सव का साक्षी बन जाता है।

पर्यटकों के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था: इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026 को पड़ रही है और एक पखवाड़े पहले से ही तीर्थयात्रियों की ठहरने वाली सभी जगहें फुल हो चुकी हैं। लेकिन यह बात भी है कि इस शहर में तीर्थयात्रियों को ठहरने की कभी समस्या नहीं रहती, क्योंकि एक दशक पहले प्रचलित हुए, घर पर पर्यटकों को ठहराने की नीति के कारण मथुरा में बहुत सारे लोग इस मौके पर अपने घरों को तीर्थयात्रियों के लिए खोल देते हैं। इस तरह पर्यटकों को सुविधाजनक 'होम स्टे' का आनंद भी मिल जाता है।

इसलिए उमड़ता है जनसैलाब: भादों के महीने में यहां

श्रद्धालुओं और सैलानियों का सैलाब इसलिए उमड़ता है, क्योंकि कृष्ण जन्माष्टमी का आकर्षण केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं होता बल्कि लोग उस क्षण को प्रत्यक्ष अनुभव करने की इच्छा से यहां आते हैं। क्योंकि श्रीकृष्ण परंपरा में भगवान कृष्ण के जन्म को वही क्षण माना जाता है, जब ब्रज क्षेत्र में भगवान कृष्ण की मौजूदगी का भावनात्मक एहसास होता है। आधी रात में यह एहसास अपने चरम तक पहुंच जाता है और अगर आप जन्माष्टमी के समय मथुरा आए तीर्थयात्रियों से पूछें तो वे पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि उस रात उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का जीवंत अनुभव हुआ। दरअसल, भादों के पूरे महीने में संपूर्ण ब्रज क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण की यह भक्तिमय मौजूदगी वातावरण में चुंबकीय आकर्षण के रूप में मौजूद रहती है।

लोकसंस्कृति-लोकस्मृति में बसे हैं कृष्ण: मथुरा की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां श्रीकृष्ण केवल मंदिर में देवता के रूप में ही विराजमान नहीं रहते बल्कि शहर की हर गली, हर कोने, हर नुकड़ में लोकस्मृति और संस्कृति की जीवंतता में कृष्ण की मौजूदगी रहती है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार मथुरा वह जगह है, जहां कंस के कारागार में देवकी और वासुदेव के पुत्र कृष्ण का प्राकट्य हुआ था। कृष्ण की यही लोकस्मृति है, जिसके कारण मथुरा विशेष महत्व का तीर्थस्थल है।

जगह-जगह बसती है कृष्ण-लीला की स्मृति: कृष्ण जन्मभूमि मथुरा के हर स्थान में पर्यटक और भक्त भगवान श्रीकृष्ण की मौजूदगी अनुभव करते हैं। अत्याचारी कंस,

कंधे पर टंगा बैग अब सिर्फ किताबों/जरूरी सामानों का कैरियर नहीं रहा। अब बैगपैक भी यंगस्टर्स का स्टाइल स्टेटमेंट बन गए हैं। स्टाइल और कंफर्ट के कॉम्बो वाले ये बैगपैक्स आज के यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं।

यंगस्टर्स को भा रहे हैं बैगपैक के नए स्टाइल



न्यू ट्रेंड
संध्या सिंह

कोलेज, कोचिंग, ऑफिस या छोटी-छोटी ट्रेवलिंग, आज के अधिकांश युवा बहुत मूवमेंट करते रहते हैं। ऐसे में बैगपैक अब सिर्फ किताबें ढोने वाला बैग नहीं रह गया, बल्कि युवाओं की रूटीन लाइफस्टाइल, जरूरतों और पर्सनैलिटी का अहम हिस्सा बन चुका है। समय के साथ बैगपैक का स्वरूप भी बदला है। अब युवा ऐसा बैगपैक चाहते हैं, जो स्टाइलिश दिखने के साथ-साथ लैपटॉप की सुरक्षा करे, मोबाइल चार्ज करने में मदद करे, बारिश से सामान को बचाए और भीड़-भाड़ में चोरी से भी सुरक्षित रहे। यही कारण है कि बाजार में 'स्मार्ट बैगपैक' की मांग लगातार बढ़ रही है।

जरूरतों के हिसाब से बदलता बैगपैक: एक समय था, जब बैगपैक का मतलब केवल दो बड़े कंपार्टमेंट और पट्टियां हुआ करता था। लेकिन इस डिजिटल युग में विद्यार्थियों की जरूरतें बदल गई हैं। अब कॉलेज जाने वाले अधिकांश युवाओं के बैग में किताबों के साथ-साथ लैपटॉप, टैबलेट, चार्जर, पावर बैंक, ईयर बड्स, पानी की बोतल और कई अन्य जरूरी सामान भी होता है। इन्हीं बदली जरूरतों को देखते हुए कंपनियां ऐसे

स्मार्ट बैगपैक में हों ये फीचर्स: आपके बैगपैक में ये फीचर्स जरूर होने चाहिए, तभी वो स्मार्ट लगेंगे।

- इसमें लैपटॉप कंपार्टमेंट कुशनयुक्त और सही आकार का हो।
- वाटर रेजिस्टेंट फैब्रिक के साथ रेन कवर जरूरी है।
- एंटी-थेफ्ट पॉकेट और मजबूत जिप, सुरक्षा बढ़ाती है।
- गद्देदार शोल्डर स्ट्रैप और बैक सपोर्ट आरामदायक होने चाहिए।
- कम से कम 20 से 30 लीटर क्षमता वाला बैग कॉलेज छात्रों के लिए पर्याप्त रहता है।
- यूएसबी चार्जिंग पोर्ट जैसी सुविधा उपयोगी हो सकती है, लेकिन गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। इस मामले में याद रखें कि खाली बैग का वजन जितना कम होगा, वह उतना ही बेहतर होगा।



जन्माष्टमी के पावन महीने भाद्रपद के आते ही मथुरा सिर्फ एक शहर नहीं रहता, बल्कि लोकआस्था का उल्लासमय केंद्र बन जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी की आहट के साथ वहां की गलियां, मंदिर और घाट भक्ति के रंग में रंग उठते हैं। आधी रात जन्मोत्सव के उस अलौकिक क्षण का साक्षी बनने देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु यहां उमड़ते हैं। यहां की विलक्षण मय्यता-दिव्यता पर एक दृष्टि।



देवकी-वासुदेव को कारागार की सजा, आधी रात में श्रीकृष्ण का जन्म और फिर नवजात शिशु को लेकर वासुदेव का यमुना पार करके गोकुल पहुंचना... हजारों साल से यह कथा भारतीय जनमानस में इस कदर रची बसी है कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु, हर जगह श्रीकृष्ण की मौजूदगी देखता है। यही कारण है कि मथुरा आने वाले तीर्थयात्री सिर्फ मंदिर का दर्शन नहीं करते। वे पूरी मथुरा नगरी में अपने होने की अनुभूति करते हैं। जहां-जहां कृष्ण की मौजूदगी के वृत्तांत मौजूद होते हैं, पहुंचकर भक्ति, भावना से हम सराबोर हो जाते हैं। जन्माष्टमी की आधी रात, जैसे ही 12 बजते हैं, मंदिरों में गुंजती

घंटियों की आवाजें और भक्तों का उदघोष मथुरा के साथ-साथ लाइव प्रसारण के माध्यम से पूरी दुनिया में उपस्थित कृष्ण भक्तों के लिए मथुरा जीवंत हो उठता है। मंदिरों की घंटियां शंख, भजन-कीर्तन की ध्वनियों से पूरा शहर गुंज उठता है।

कृष्ण-कथा का विस्तृत सांस्कृतिक भूगोल: मथुरा का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व, कृष्ण जन्मभूमि तक ही सीमित नहीं है। इसके आस-पास पूरा ब्रज क्षेत्र, कृष्ण-कथा का विस्तृत सांस्कृतिक भूगोल बन जाता है, मथुरा अगर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है तो वृंदावन बालकृष्ण की लीलाओं का केंद्र है। वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण, गोपियों के साथ रास करते थे और इसके इर्द-गिर्द बसे गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बरसाना एक समृद्ध सांस्कृतिक वृत्त बनाता है, जो सावन से लेकर भादों के अंत तक भक्ति भावना में कृष्णमय बना रहता है। भादों के महीने में तो पूरा ब्रज क्षेत्र कृष्ण लीलाओं का विशाल मंच बन जाता है। मंदिर, फूलों और रोशनी से सजा विशाल मंच। जहां झांकियां निकलती हैं, रास लीलाएं होती हैं और भजन-कीर्तन तो अनवरत चलते रहते हैं। जन्माष्टमी के दौरान मथुरा-वृंदावन और पूरा ब्रज क्षेत्र आस्था, संगीत, परंपरा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का विशाल संगमस्थल बन जाता है।

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों से भक्ति गीत-संगीत का नाता रहा है। इनमें भी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति पर केंद्रित या उनका बाल्य-किशोर लीलाओं के इर्द-गिर्द बड़ी संख्या में फिल्मी गीत रचे जाते रहे हैं और लोगों में भी इनके प्रति दीवानगी खूब देखने को मिलती है। बॉलीवुड में जब श्रीकृष्ण के विभिन्न नाम और उनकी लीलाओं पर आधारित गीतों का चलन आरंभ हुआ तो ये इतने लोकप्रिय हुए कि मंदिरों और पूजा-स्थलों में भी गाए-बजाए जाने लगे।

बहुत लोकप्रिय हुए ये गीत: श्रीकृष्ण पर केंद्रित कई सुधमुर गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज में गाकर बहुत लोकप्रिय बना दिया। ये गीत श्रोताओं के मन को छूते हैं, आत्मा में उतरते हैं। इन गीतों को सुनकर अनायास ही मन में श्रीकृष्ण की मोहक छवियां उभरती हैं। सन 1972 में आई फिल्म 'अमर प्रेम' का गीत 'बड़ा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया, का करे यशोदा मैया' आनंद बख्शी की कलम से निकलकर हर उस मां के लिए लोरी गीत बन गया, जो गोद में लिए बालक में बाल कृष्ण का रूप देखती हैं। 1978 की फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' का गीत 'यशोमती मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गोरी में क्यों काला' में बाल कृष्ण की नटखट अदाएं इस तरह से समाहित हैं कि लगता है जैसे नंदलाला हमारे सामने ही मां को उलाहना दे रहे हैं। इसी तरह लता मंगेशकर का गाया फिल्म 'संतोष' (1989) का गीत 'बंसी वाले ने घेर लई, अकेली जो पनिया भरन में गई' ब्रज क्षेत्र के साथ ही पूरे देश में लोकगीत की तरह खूब लोकप्रिय हुआ। फिल्म 'शागिर्द' (1967) का 'कान्हा आन पड़ी मैं तेरे द्वार', 'जॉनी मेरा नाम' (1970) का 'मोसे मोरा श्याम रूठा... छुप छुप मीरा रोए, दर्द न जाने कोई' जैसे कृष्ण भक्ति के रंग में रंगे कई गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज देकर अमर बना दिया। ये आज भी पूरे मन से सुने जाते हैं।

भक्ति-भाव से भरे कृष्ण गीत: भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति पर केंद्रित कई हिंदी फिल्मी भजन भी खूब सुने सुनाए जाते हैं। वर्ष 1952 की फिल्म 'बैजू बावरा' में मोहम्मद रफी ने अपनी धीरे-धीरे आवाज में कृष्ण को याद करते हुए 'मन तड़पत हरि दर्शन को आंज' गाया था। इसे सुनकर श्रोता आज भी संभुमध हो जाते हैं। 1957 में आई फिल्म 'मिस मेरी' का गीत 'वृंदावन का कृष्ण कन्हैया सबकी आंखों का तारा, मन ही मन क्यों जले राधिका मोहन तो है

श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन किसी रुढ़िवादी परंपरा का नाम नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक व्यावहारिक और आधुनिक विज्ञान है। उनकी शिक्षाओं से जुड़ी ये बातें, आज के युवाओं को संतुलित, सफल और शांतिपूर्ण जीवन जीने की राह दिखाती हैं।



आज के युवा श्रीकृष्ण से सीखें सुकून भरी जिंदगी के सूत्र

जीवन प्रेरणा
शिखर चंद जैन

भगवान श्रीकृष्ण केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं हैं, बल्कि वे एक कुशल मनोवैज्ञानिक, संकट प्रबंधक और लाइफ कोच भी हैं। आज की जेनरेशन यानी वह पीढ़ी जो इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साए में बड़ी हो रही है, एक और अभूतपूर्व अवसरों से घिरी है, तो दूसरी ओर मानसिक तनाव, अकेलेपन, 'फोमो' (फियर ऑफ मिसिंग आउट) और बर्नआउट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। तेज रफ्तार और तुरंत परिणाम चाहने वाली इस दौर के युवाओं के लिए हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश आज और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है।

हसल कल्चर का हल: आज के युवा 'हसल कल्चर' (रिजल्ट एंजाइटी) यानी रात-दिन भागदौड़ में उलझे रहते हैं। वे रील्स पर व्यूज, परीक्षाओं में टॉप करने या करियर में तुरंत मोटी सैलरी पाने के दबाव में लगातार जीते हैं। श्रीकृष्ण का सबसे प्रसिद्ध उपदेश है, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचनः।' इसका अर्थ है कि तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने पर है, उसके फल पर नहीं। श्रीकृष्ण युवाओं को समझाते हैं कि जब हम परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचते हैं, तो हमारी पूरी ऊर्जा एंजाइटी में नष्ट हो जाती है और हम वर्तमान कार्य को पूरी निपुणता से नहीं कर पाते। युवाओं को परिणाम की चिंता छोड़कर अपनी पूरी ऊर्जा प्रोसेस पर लगानी चाहिए।

वैलिडेशन-ट्रोलिंग से निपटने का मंत्र: आज के युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अपनी खुशी और आत्म-सम्मान को सोशल मीडिया के लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स की संख्या से मापता है। इस वजह से वे जरा-सी आलोचना या 'ट्रोलिंग' से टूट जाते हैं। गीता में श्रीकृष्ण 'स्थितप्रज्ञ' होने की बात करते हैं यानी ऐसा व्यक्ति, जो सुख और दुःख, मान और अपमान, प्रशंसा और निंदा में एक समान रहता है। युवाओं को यह

समझना होगा कि दूसरों के डिजिटल कमेंट्स या ओपिनियन उनके अस्तित्व को तय नहीं करते। **पीयर प्रेशर-आइडेंटिटी क्राइसिस का समाधान:** आज के दौर में 'ट्रेंड्स' के पीछे भागने की अंधी दौड़ है। युवाओं पर दोस्तों, परिवार और समाज की उम्मीदों का इतना दबाव होता है कि वे अपनी असली पहचान खो देते हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं 'श्रैयान्वधर्मा विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात।' अर्थात् दूसरों के रास्ते पर चलकर पूर्णता हासिल करने से कहीं बेहतर है कि आप अपने खुद के स्वभाव और क्षमताओं को पहचानें, भले ही उसमें शुरुआत में कुछ कमियां ही क्यों न हों। दूसरों की नकल करके डॉक्टर, इंजीनियर या इन्फ्लुएंसर बनने के बजाय युवाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानना चाहिए और खुद के प्रति वफादार रहना चाहिए।

सिचुएशनशिप को संभालने का तरीका: आधुनिक समय में रिश्ते बहुत जल्दी बनते और बिगड़ते हैं। श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं सिखाती हैं कि प्रेम में 'आसक्ति' यानी पर्सिवनेस के बजाय 'अनासक्ति' और निःस्वार्थ भाव होना चाहिए। श्रीकृष्ण ने राधा से प्रेम किया, लेकिन वे

जीवन भर उनके साथ नहीं रहे, उन्होंने रक्मिणी से विवाह किया और अपने राजनीतिक व सामाजिक कर्तव्यों का भी पालन किया। वे सिखाते हैं कि किसी भी व्यक्ति या परिस्थिति पर इस कदर निर्भर मत हो जाओ कि उसके बदलने पर आपका जीवन ही ठहर जाए। जीवन में आगे बढ़ना ही सच्ची परिपक्वता है। **एंजाइटी पर नियंत्रण:** आज की पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है ओवरथ्रिंकिंग यानी अत्यधिक सोचना। श्रीकृष्ण गीता के छठे अध्याय में कहते हैं, 'बन्धुरात्मात्मनस्तस्य येनात्मेवात्मना जितः।' यानी जिस व्यक्ति ने अपने मन को जीत लिया है, उसका मन ही उसका सबसे अच्छा मित्र है। श्रीकृष्ण युवाओं को ध्यान, आत्म-नियंत्रण और सजगता के माध्यम से अपने भूतकेंद्रित हुए विचारों को नियंत्रित करने की सलाह देते हैं ताकि वे मानसिक शांति पा सकें। इस तरह श्रीकृष्ण युवाओं के सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक हैं।

जन्माष्टमी आते ही श्रीकृष्ण की लीलाओं और कृष्ण भक्ति से जुड़े गीत खूब सुनाई पड़ने लगते हैं। हिंदी सिनेमा में भी श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित ऐसे अनेक गीत रचे गए हैं, जो हर किसी की जुबान पर चढ़े हुए हैं। ऐसे ही कुछ लोकप्रिय गीतों पर एक नजर।

कृष्ण-कन्हैया के रंग में रंगे बॉलीवुड के लोकप्रिय गीत



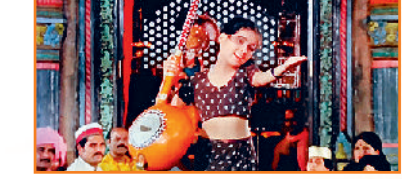
'अमर प्रेम' का गीत 'बड़ा नटखट है रे'



'खुदा' का गीत 'मव गया शोर सारी नगरी रे'



'ब्लाफ मास्टर' का गीत 'गोविंदा आला रे'



'सत्यम शिवम सुंदरम' का गीत 'यशोमती मैया से'

सबका प्यारा' आज भी जन्माष्टमी के अवसर पर सुना-गाया जाता है। मोहम्मद रफी की ही आवाज में फिल्म खानदान (1965) का गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला, तेरी राह तक बुजवाला, ग्वाल-बाल इक-इक से पूछे कहाँ है मुरली वाला रे' श्रीकृष्ण पर केंद्रित सबसे लोकप्रिय गीतों में से एक है।

गोविंदा पर केंद्रित उमंग भरे गीत: कृष्ण कन्हैया पर केंद्रित गीतों की बात हो और

में भरता है बल्कि कृष्ण की लीलाओं का इस तरह से बखान करता है कि मन में कन्हैया की शैतानियां हिलोरे लेने लगती हैं। ये गीत आज भी होली-जन्माष्टमी जैसे उत्सवों पर बजाए जाते हैं।

ऐसे ही 'ब्लाफ मास्टर' (1963) का गीत 'गोविंदा आला रे आला', 'ओह माइ गॉड' (2012) का 'गो गो गोविंदा', 'किसना : द वॉरिएर पोएट' (2005) का 'वो किसना है' जैसे गीत भी खूब पॉपुलर हुए थे।

गोविंदा पर केंद्रित उमंग भरे गीत: कृष्ण कन्हैया पर केंद्रित गीतों की बात हो और

आज भी सुना जाता है। ऐसे ही 'हम साथ साथ हैं' (1999) का 'मैया यशोदा ये तेरा कन्हैया', लगान (2001) का 'राधा कैसे न जले' जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं।

श्रीकृष्ण पर केंद्रित गैर फिल्मी गीत भी हुए लोकप्रिय

श्रीकृष्ण पर केंद्रित लोकप्रिय फिल्मी गीतों के अतिरिक्त भजन गायकों और लोकगायकों द्वारा गाए कुछ गीत भी बहुत पॉपुलर हुए हैं। उदाहरण के तौर पर 'अरे झरपालों कन्हैया से कह दो', 'छोटी-छोटी मैया, छोटे-छोटे ग्वाल', हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की, अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम, 'राधे राधे जपो चले आरों बिहारी' जैसे गीतों का जिक्र किया जा सकता है। ये ऐसे गीत हैं जो घर-घर में और मंदिरों में खूब सुने-सुनाए जाते हैं।

आज भी सुना जाता है। ऐसे ही 'हम साथ साथ हैं' (1999) का 'मैया यशोदा ये तेरा कन्हैया', लगान (2001) का 'राधा कैसे न जले' जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं।